

पेनोमी (डॉ. करिअन्न ओवेन), पूर्व यहूदी, अमेरिका

रेटिंग: 5.0

विवरण:

श्रेणी: [लेख नए मुसलमानों की कहानियां महिलाएं](#)

द्वारा: Dr. Kari Ann Owen

पर प्रकाशति: 04 Nov 2021

अंतिम बार संशोधति: 04 Nov 2021

"ईश्वर के अलावा कोई पूजनीय नहीं है, एंव मुहम्मद (ईश्वर की दया और कृपा उन पर बनी रहे) ईश्वर के दूत हैं।"

यह शहादह के वे शब्द हैं जनिमें मुझे वशिवास है।

पैदा करने वाले को अनेक नामों से जाना जाता है। उसका ज्ञान हमेशा पहचानने योग्य होता है, और उसकी उपस्थिति हमारे समुदाय में मौजूद प्रेम, सहषिणुता और करुणा में प्रकट होती है।

अमेरिकी समाज में इतने बड़े पैमाने पर फैले युद्ध जैसे व्यक्तिवाद से हमें पैदा करने वाले के मानव परिवार की महिमा और गरिमा में वशिवास, और उस परिवार के भीतर हमारे दायित्वों और सदस्यता के लिए मार्गदर्शन करने की उनकी गहन क्षमता। यह एक आध्यात्मिक व्यक्तित्व की परपिक्वता का वर्णन करता है, और शायद मनोवैज्ञानिक स्वयं की सबसे वांछनीय परपिक्वता भी।

शहादह के लिए मेरा सफर तब शुरू हुआ, जब एक प्रशंसति निर्देशक टोनी रचिर्डसन की एड्स से मृत्यु हो गई। मसिटर रचिर्डसन पहले से ही एक शानदार और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त पेशेवर थे जब मैं उनसे 14 वर्ष की आयु में लूथर नाटक में मंच के पीछे मिली थी।

मेरे लिए नाटक लेखन हमेशा अपने भीतर और अपने एंव एक ऐसी दुनिया के बीच जसिं मैंने बचपन की परिस्थितियों के कारण करूर पाया, दोनों जगहों पर आध्यात्मिक और भावनात्मक सामंजस्य की डगिरी खोजने का एक तरीका रहा है। दुनिया से लड़ने के बजाय, मैंने अपने नाटकों में अपने संघर्षों को इनसे लड़ने दिया। आश्चर्यजनक रूप से, हममें से कुछ लोग एक साथ बड़े भी हुए हैं!

इसलिए, जब मैंने 17 साल की उम्र से स्टेज करेडिट्स (प्रोडक्शन और स्टेजिंग रीडिंग) जमा करना शुरू किया, तो मैंने हमेशा इस उम्मीद को बरकरार रखा कि मैं किसी दिन मस्टर रचिर्डसन के साथ पढ़ाई और काम करने के अपने बचपन के सपने को पूरा करूंगी। जब वे अपनी समलैंगिकता और एक बहुसंख्यक समुदाय की वजह से (इंग्लैंड से) अमेरिका गए, तो एड्स ने उन्हें मार डाला, और उनके साथ अमेरिकी समाज में और उसके भीतर मेरी भावना का एक और हिस्सा चला गया।

मैंने नैतिक मार्गदर्शन के लिए अमेरिकी और पश्चिमी समाज से अलग, इस्लामी संस्कृतिको देखना शुरू किया।

इस्लाम ही क्यों और कुछ क्यों नहीं?

मेरी जन्ममाता के पूर्वज स्पेनशि यहूदी थे, जो 1492 में न्यायिक जांच द्वारा यहूदी समुदाय को नष्टिकासति कर दिए जाने तक मुसलमानों के बीच ही रहते थे। मेरी ऐतिहासिक याददाश्त में, जैसा मैं एक गहरे स्तर पर महसूस करती हूँ, मुअज्जनि की पुकार उतनी ही गहरी है जितनी कसिमुद्द की खामोशी, जहाजों की लहरें, रेगसितान में घोड़ों की तेज टापें और अत्याचार के सामने प्यार का दावा है।

मैंने अपने भीतर एक कहानी का जन्म होते महसूस किया, और एक नाटक का भी, जसिने तब सम्पूर्ण रूप ले लिया जब मैंने अपने पूर्वजों के नष्टिकासन के समय यहूदी शरणार्थियों के प्रति एक तुर्क खलीफ़ा की मानवता के बारे में जानना शुरू किया। ईश्वर ने मेरे ज्ञान का मार्गदर्शन किया, और मुझे इस्लाम के बारे में साउथ बे इस्लामिक एसोसिएशन के इमाम सदिदीकी, सस्टर हुसैन ऑफ़ रहीमा और मेरी प्यारी मुंह बोली बहन मारिया आब्दीन, जो एक अमेरिकी मूल की मुस्लिम महिला हैं, और SBIA की पत्रिका, IQRA की लेखिका हैं, जैसे विविध व्यक्तियों द्वारा बताया गया था और मेरा पहला शोध साक्षात्कार सैन फ्रांसिस्को के मशिन जल्लि में एक हलाल [इस्लामी कानून में वैध माना जाने वाला मांस] कसाई की दुकान में था, जहां जीवित इस्लाम की मेरी समझ उस पहली मुस्लिम महिला से प्रभावित हुई थी, जसिसे मेरी मुलाकात किसी भी मुस्लिम महिला से मेरी सर्वप्रथम मुलाकात थी: एक ग्राहक जो हजिब में थी, जसिने अत्यंत मधुरता भरी दया और कृपा के साथ व्यवहार किया और साथ ही उसने चार भाषाओं को पढ़ा, लिखा एवं बोला।

उसकी अहंकार से अद्भुत मुक्तिके कारण (मेरे लिए) दुगुनी हो चुकी उसकी प्रतिभा ने मेरे ज्ञान की शुरुआत पर गहरा प्रभाव डाला कि इस्लाम मानव व्यवहार को कैसे प्रभावित कर सकता है।

तब मुझे इतना नहीं पता था कि केवल एक नाटक का नहीं, बल्कि एक नए मुसलमान का भी जन्म होने वाला है।

मेरे शोध के दौरान मुझे इस्लाम के एक जीवित धर्म होने को लेकर तथ्यों के एक समूह की तुलना में इस्लाम के बारे में बहुत कुछ पता चला। मैंने जाना कि कैसे मुसलमान एक दूसरे के साथ ऐसी गरमा और दयालुता के साथ व्यवहार करते हैं, जो उन्हें यौन प्रतस्पर्धा और हिसा के अमेरिकी गुलामी बाजार से ऊपर उठाती हैं। मैंने जाना कि मुस्लिम पुरुष और महिलाएं वास्तव में मौखिक और शारीरिक रूप से एक-दूसरे को टुकड़ों में बांटे बना एक-दूसरे की उपस्थिति में हो सकते हैं। और मैंने यह भी जाना कि साधारण पोशाक, जैसी आध्यात्मिक अवस्था के रूप में शुमार किया जाता है, मानव व्यवहार का उत्थान कर सकती है और पुरुष और महिला दोनों को अपने स्वयं के आध्यात्मिक मूल्य की भावना प्रदान कर सकती है।

यह इतना आश्चर्यजनक, और इतना हैरतअंगेज तौर से नया क्यों लग रहा था?

अधिकांश अमेरिकी महिलाओं की तरह, मैं भी एक गुलाम बाजार में पली-बढ़ी, जसिमें न केवल मेरे परिवार की यौन बीमारियां शामिल थीं, बल्कि सात साल से कम उम्र के साथियों द्वारा मेरी उपस्थिति का लगातार नकारात्मक नरिणय लिया जाना भी एक कारण था। मुझे अमेरिकी समाज द्वारा बहुत कम उम्र से सखा दिया गया था कि मेरे मानवीय मूल्यों में केवल लोगों के प्रति मेरा आकर्षण (या मेरे मामले में इसकी कमी) शामिल है। कहने की जरूरत नहीं है कि इस माहौल में लड़के और लड़कियां, पुरुष और महिलाएं सहकर्मी की ओर से स्वीकृति की बेताब इच्छा को देखते हुए, जो पूरी तरह नहीं, तो अधिकांश समय किसी की दया, करुणा या बुद्धिपर भी नरिभर होने के बजाय, उनके शारीरिक आकर्षण और दूसरों के उनको देखने की धारणा पर नरिभर होती है, अक्सर एक-दूसरे से बहुत अधिक नाराज हो जाते हैं।

चूंकि मैं मुसलमानों के बीच मानव पूर्णता की आशा या तलाश नहीं करती हूं, ऐसे में सामाजिक अंतर काफी गहरा है, और मेरे जैसे किसी के लिए तो लगभग अवश्वसनीय है।

मैं मध्य पूर्व के संघर्षों का कोई जवाब होने का दिखावा नहीं करती, सवाय उनके, जिनका जवाब इस्लाम के प्रथि पैगम्बर ने पहले ही दे दिया है। मेरी अक्षमताएं मुझे उपवास रखने और अधिकांश [मुसलमानों] के समान प्रार्थना की मुद्रा में प्रार्थना करने से रोकती हैं।

लेकिन मैं उस इस्लाम से प्यार करती हूं और उसका बहुत सम्मान करती हूं, जो मुझे उन पुरुषों और महिलाओं के व्यवहार और शब्दों के माध्यम से मालूम हुआ है, जिनको मैंने अमेरिकन मुस्लिम इंस्टिट्यूट ऑन लर्निंग एंड एक्टविज्म और अन्य जगहों पर जाना है, जहां मुझे क्रूर भावनात्मक संघर्षों और आसन्न आध्यात्मिकता की भावना से मुक्ति मिलती है।

मैं इस्लाम के बारे में और क्या महसूस करती हूँ और मानती हूँ?

मैं समान लिंग शिक्षा के लिए, समाज में महिलाओं के साथ-साथ पुरुषों के अधिकारों के लिए तथा शालीन पोशाक के लिए इस्लाम का सम्मान और प्रशंसा करती हूँ, और सबसे बढ़कर संयम और शादी के लिए, जो मेरे जीवन के दो सबसे गहरे आधार हैं, क्योंकि मैं साढ़े 21 साल की शांत और खुशहाल विवाहिता हूँ। यह महसूस करना कतिना अद्भुत है कि उद्द अरब मुसलमान चरित्र विकास में मेरे विश्वास को साझा करते हैं, जिसकी विवाह हमें अनुमति देता है, साथ ही मेरे नशीली दवा और शराब मुक्त रहने के निर्णय में भी मेरा समर्थन करते हैं।

तो फिर व्यापक अर्थों में इस्लाम का सबसे बड़ा उपहार क्या है?

एक ऐसे समाज जो हमें परिणामों की परवाह किए बिना बेलगाम वृत्तियों पर खुद का बलदान करने के लिए लगातार दबाव डालता है, इस्लाम हमें दूसरों के साथ अपने संबंधों में ज़िम्मेदारी की क्षमता के साथ ईश्वर द्वारा बनाए गए मानव व्यक्तियों के रूप में मानने के लिए कहता है। नमाज़, ज़कात तथा संयम और शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से, यद्यपि इस्लाम के मार्ग का अनुसरण करते हैं, तो हमारे पास उन बच्चों की परवरिश करने का और उन्हें उस हिसा और शोषण से बचाने का एक अच्छा मौका है जो उनके सुरक्षित स्कूलों और अड़ोस-पड़ोस और कई बार उनके जीवन तक को छीन लेते हैं।

इस लेख का वेब पता:

<https://www.islamreligion.com/hi/articles/62>

कॉपीराइट © 2006-2020 सभी अधिकार सुरक्षित हैं। © 2006 - 2023 IslamReligion.com. सभी अधिकार सुरक्षित हैं।